

## हैदराबाद के वलिय की 76वीं वर्षगाँठ

### प्रलम्बिस के लयि:

हैदराबाद का वलिय, ऑपरेशन पोलो, सरदार वल्लभभाई पटेल, रयिसतें, भारतीय राष्ट्रिय कॉनग्रेस, संयुक्त राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय नयायालय, संवधान सभा, बरटिशि सर्वोच्चता।

### मेन्स के लयि:

हैदराबाद और अन्य रयिसतों का भारतीय संघ में एकीकरण, एकीकरण प्रक्रयि में वभिनिन नेताओं की भूमकि।

स्रोत: डेक्कन हेराल्ड

## चर्चा में क्यो?

17 सतिंबर, 2024 को हैदराबाद के स्वतंत्र भारत में वलिय की 76वीं वर्षगाँठ मनाई गई।

- हैदराबाद को भारतीय संघ के लयि सुरक्षा खतरा बनने से रोकने के लयि ऑपरेशन पोलो शुरू कयि गया था।

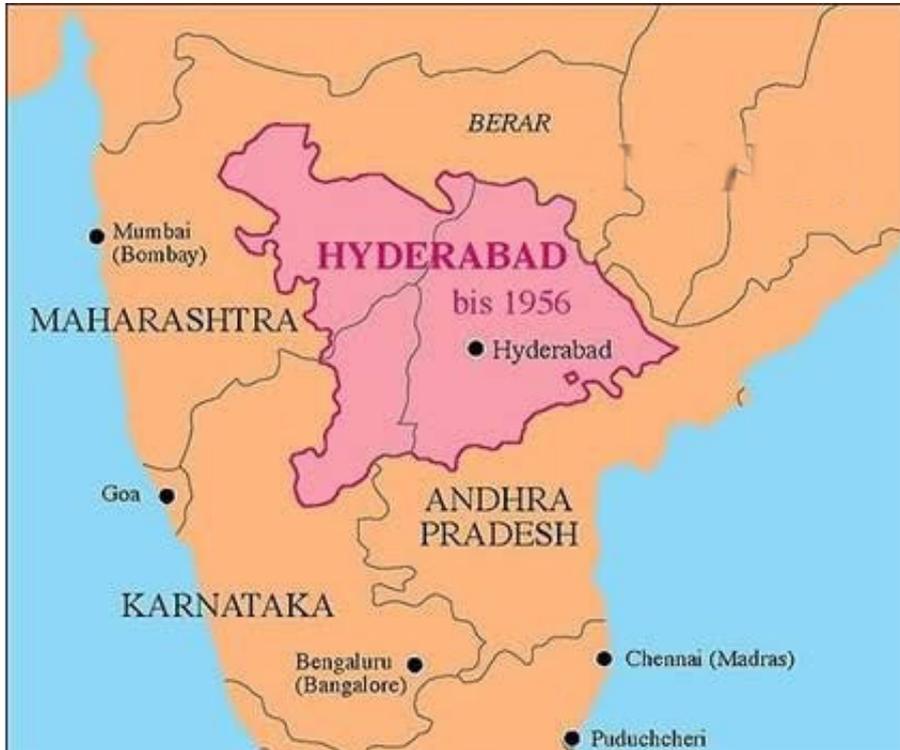
## हैदराबाद के भारत में वलिय से संबंधति प्रमुख तथ्य क्य है?

- हैदराबाद की पृष्ठभूमि: हैदराबाद दक्षिण भारत में एक बड़ी स्थल-रुद्ध रयिसत थी जसिमें वर्तमान तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र का मराठवाड़ा क्षेत्र शामिल था।
  - इसकी अधिकांश जनसंख्या हद्वि (87%) थी जबकि इसके शासक नज़ाम उस्मान अली खान मुस्लिम थे, जनिहें मुस्लिम अभजित वर्ग का समर्थन प्राप्त था।
  - नज़ाम और इत्तेहादुल मुस्लिमीन (अखलि भारतीय मुस्लिम एकता परिषद) ने हैदराबाद की स्वतंत्रता के लयि प्रयास कयि तथा वे चाहते थे कयिह राज्य भारत तथा पाकसितान के बराबर स्वायत्त हो।
- नज़ाम द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा: जून 1947 में नज़ाम उस्मान अली खान ने एक फरमान जारी कर बरटिशि द्वारा भारत को सत्ता हस्तांतरण के बाद हैदराबाद के स्वतंत्र रहने के इरादे की घोषणा की थी।
  - भारत ने इसे यह कहते हुए खारजि कर दयि कि हैदराबाद का स्थान भारत की राष्ट्रिय सुरक्षा के लयि रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण है।
  - इस आलोक में अस्थायी स्टैंडसटलि समझौते (यथास्थिति बिनाए रखने के लयि) पर हस्ताक्षर कयि गए, लेकिन हैदराबाद फरि भी भारत में शामिल नहीं हुआ।
- हैदराबाद की स्वतंत्रता की ओर कदम: नज़ाम ने पाकसितान को 200 मिलियन रुपए दयि थे तथा वहाँ एक बमवर्षक स्क्वाड्रन तैनात कयि था, जसिसे भारतीयों में संदेह की भावना और भी प्रबल हुई।
  - हैदराबाद ने भारतीय मुद्रा पर प्रतिबंध लगा दयि तथा पाकसितान से हथियार आयात कयि और अपनी सैन्य शक्ति का वसितार कयि।
  - आस्ट्रेलियार्इ एविएटर सडिनी कॉटन को नज़ाम ने हैदराबाद में हथियारों की तस्करी के लयि रखा था।
- रजाकारों की भूमकि: रजाकार, इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (अखलि भारतीय मुस्लिम एकता परिषद) से संबद्ध मलिशिया थे, जसिका नेतृत्व कासमि रजवी करते थे तथा ये मुस्लिम शासक वर्ग को कसिी भी वदिरोह से बचाने के लयि कार्य करते थे।
  - रजाकारों द्वारा हद्विओं के वरिद्ध अत्याचारों सहति वपिकष का हसिक दमन करने से तनाव और भी बढ़ गया।
  - उन्होंने उन हैदराबादी मुसलमानों को भी लक्ष्य बनाया जो भारत में वलिय के पक्ष में थे।
- राजनीतिक आंदोलन: आंतरकि रूप से हैदराबाद को तेलंगाना में कमयुनसिट वदिरोह का सामना करना पड़ा। यह एक कसिान वदिरोह था जसि नज़ाम रोक नहीं सका, जसिसे उसकी स्थिति और कमज़ोर हो गई।
- अंतर्राष्ट्रीय अपील: नज़ाम ने बरटिशि समर्थन मांगा और बाद में इसमें अभारतीय राष्ट्रिय कॉनग्रेस से संबद्ध हैदराबाद राज्य कॉनग्रेस ने भारत में हैदराबाद के एकीकरण हेतु राजनीतिक आंदोलन शुरू कयि था।
- मेरकि राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन तथा संयुक्त राष्ट्र को शामिल करने का प्रयास कयि, लेकिन उनके प्रयास असफल रहे।
  - अगस्त 1948 में माउंटबेटन द्वारा बातचीत के माध्यम से समाधान के प्रयास वफिल होने के बाद, नज़ाम ने आसन्न भारतीय आक्रमण की

आशंका के चलते [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद](#) और [अंतरराष्ट्रीय न्यायालय](#) में अपील की।

- ऑपरेशन पोलो (हैदराबाद पुलिस कार्रवाई): नज़ाम के साथ वार्ता का हल न निकलने के कारण [सरदार पटेल](#) चतिति हो रहे थे।
  - 13 सितंबर, 1948 को भारतीय सेना ने आंतरिक कानून और व्यवस्था की चिंताओं का हवाला देते हुए हैदराबाद में सैन्य अभियान 'ऑपरेशन पोलो' शुरू किया।
  - इसे "पुलिस कार्रवाई" कहा गया क्योंकि यह भारत का आंतरिक मामला था।
  - 17 सितंबर, 1948 को नज़ाम ने प्रधानमंत्री [मीर लाइक अली](#) और उनके मंत्रिमंडल को बर्खास्त करके औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण कर दिया।

//



## हैदराबाद के भारत में वलिय का क्या महत्त्व है?

- **भारत की एकता और अखंडता:** नज़ाम और रजाकारों के वरिध के बावजूद हैदराबाद के भारत में एकीकरण से भारतीय संघ की **एकता, अखंडता एवं स्थिरता मज़बूत हुई।**
- **पंथनरिपेक्षता की जीत:** यह न केवल एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक जीत थी बल्कि [पंथनरिपेक्षता](#) की भी जीत थी, क्योंकि इसमें भारत के साथ एकीकरण के क्रम में भारतीय मुसलमानों का समर्थन भी उजागर हुआ।
  - भारत के पक्ष में भारतीय मुसलमानों की भागीदारी से पूरे देश में **सकारात्मक प्रभाव पड़ा।**
- **आगे के संकट को रोका जाना:** चल रही वार्ता के बावजूद हैदराबाद की सरकार ने संघर्ष की तैयारी करते हुए हथियारों का आयात जारी रखा।
  - तत्काल सैन्य कार्रवाई से [उग्रवाद जैसी स्थिति को रोका जा सका](#), जो वदिशी शक्तियों की मदद से दशकों तक रह सकती थी।
- **बल प्रयोग: हथियारों के आयात और वदिशी शक्तियों की भागीदारी ने भारत के लिये हैदराबाद मुद्दे को हल करने की तात्कालिकता को बढ़ा दिया, जसि अब एक संभावित सुरक्षा खतरे के रूप में देखा जा रहा था।**
  - **ऑपरेशन पोलो से प्रदर्शति हुआ** कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के लिये बल प्रयोग करने से पीछे **नहीं हटेगा।**
- **भारत की सफल कूटनीति:** इससे भारत की कूटनीतिक और सैन्य रणनीतियों का संयोजन (वशिष रूप से हथियारों की आपूर्ति को रोकना) प्रदर्शति हुआ।
  - उदाहरण के लिये, लंदन में तत्कालीन भारतीय उच्चायुक्त **वी.के. कृष्ण मेनन** के प्रयासों से हैदराबाद में हथियारों को सीमति किया गया था।

## रियासतों के एकीकरण में सरदार पटेल की क्या भूमिका थी?

- **अंतरिम सरकार में भूमिका (2 सितंबर, 1946):** सरदार पटेल को गृह, राज्य और सूचना एवं प्रसारण विभाग आवंटित किये गये, जसिसे स्वतंत्रता से पूर्व ही भारत के प्रशासन में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका देखी गई।
- **नेहरू की स्वीकृति:** स्वतंत्रता से दो सप्ताह पूर्व (1 अगस्त, 1947 को) जवाहरलाल नेहरू ने पटेल को अपने मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया और उन्हें "मंत्रिमंडल का सबसे मज़बूत स्तंभ" बताया।
- **लॉर्ड माउंटबेटन के साथ सहयोग:** पटेल एवं [माउंटबेटन](#) ने मलिकर कार्य किया तथा राजकुमारों को भारत में वलिय के लिये सहमत करने में कूटनीति और दबाव का उपयोग किया।
  - उन्होंने **रियासतों को स्वतंत्र अस्तित्व के खतरों के प्रति आगाह किया।**

- राज्य वभाग का गठन (5 जुलाई, 1947): पटेल ने राज्य वभाग का गठन किया और वी.पी. मेनन को इसका सचिव नियुक्त किया।
  - इस वभाग का उद्देश्य रक्षा, वदेशी मामलों और संचार में राज्यों के हितों को सुरक्षित करना तथा साझा हितों के लिये स्थिर समझौतों को बनाए रखना था।
- प्रलोभन और दंडात्मक दृष्टिकोण: वलिय के लिये बातचीत करने का दायित्व पटेल पर था, उन्होंने दबाव तथा आश्वासन के बीच संतुलन बनाते हुए एक समझौतापूर्ण एवं कूटनीतिक रुख अपनाया।
  - उदाहरण के लिये, भारत ने जूनागढ़ के लिये अपनी सभी सीमाएँ बंद कर दीं और वस्तुओं तथा डाक की आवाजाही पर रोक लगा दी, जिसके कारण जूनागढ़ को भारत सरकार के साथ समझौता हेतु उसे आमंत्रित करना पड़ा।
    - बाद में जनमत संग्रह कराया गया जिसमें 99% लोगों ने भारत में शामिल होने के पक्ष में मतदान किया।
- मैत्री और समानता के लिये अपील: पटेल ने शासकों को स्वतंत्र भारत में मतिर के रूप में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया तथा इस बात पर बल दिया कि अलग-अलग संस्थाओं के रूप में संधियाँ करने की अपेक्षा, मलिकर कानून बनाना बेहतर है।
- भारत के भूभाग पर एकीकरण का प्रभाव: वभिजन के दौरान भारत को 3.6 लाख वर्ग मील क्षेत्र और 81.5 मिलियन लोगों को खोना पड़ा लेकिन रियासतों के एकीकरण के माध्यम से 5 लाख वर्ग मील क्षेत्र तथा 86.5 मिलियन लोगों के रूप में इसकी भरपाई हुई।



## रियासतों के एकीकरण में अन्य नेतृत्वकर्त्ताओं की क्या भूमिका थी?

- लॉर्ड माउंटबेटन: माउंटबेटन ने अनिच्छुक भारतीय रियासतों के शासकों को भारतीय संघ में वलिय के लिये सहमत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - रियासतों के शासकों का यह मानना था कि माउंटबेटन ही इस बात की गारंटी दे सकते थे कि स्वतंत्र भारत में समझौतों का पालन किया जा सकेगा क्योंकि उन्हें भारत का पहला गवर्नर-जनरल नियुक्त किया गया था।

- **जे.एल. नेहरू:** नेहरू के दृष्टिकोण को लेकर रियासतों के शासक सहमत नहीं थे।
  - **जनवरी 1947** में उन्होंने **राजत्व के दैवीय अधिकार को अस्वीकार कर दिया** और मई 1947 तक उन्होंने घोषणा कर दी कि जो भी रियासत **संविधान सभा** में शामिल होने से इनकार करेगी, उसके साथ शत्रु राज्य जैसा व्यवहार किया जाएगा।
- **सी. राजगोपालाचारी:** इन्होंने तर्क दिया कि रियासतों पर ब्रिटिश नियंत्रण यथास्थिति पर आधारित था, किसी समझौते पर नहीं, इसलिये यह स्वाभाविक है कि ब्रिटिश उत्तराधिकारी के रूप में रियासतें स्वतंत्र भारत को **हस्तांतरित हो जाएँगी**।
- **एक संगठन के रूप में कॉन्ग्रेस:** कॉन्ग्रेस ने जोर देकर कहा कि रियासतें **संप्रभु संस्थाएँ नहीं थीं** और **ब्रिटिश सर्वोच्चता** समाप्त होने के बाद वे स्वतंत्रता का विकल्प नहीं चुन सकती थीं।

## नषिकर्ष

562 रियासतों को भारत में एकीकृत करने में सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका महत्वपूर्ण थी, जिसमें **कूटनीति और नरिणायक कार्रवाई का मशिरण शामिल था**। **ऑपरेशन पोलो** ने हैदराबाद के वलिय को सुरक्षित किया, जिससे 212,000 वर्ग किलोमीटर तथा 17 मिलियन लोग जुड़ गए। सरकारी आँकड़े, वभाजन के बाद भारत के क्षेत्रफल को 5 लाख वर्ग किलोमीटर तक वसित करने में पटेल के परयासों को उजागर करते हैं, जो कि **"भारत के लौह पुरुष"** के रूप में उनकी भूमिका को स्थापित करते हैं।

????? ???? ?????:

प्रश्न: वर्ष 1948 में हैदराबाद के भारत में वलिय के महत्त्व का मूल्यांकन कीजिये। ऑपरेशन पोलो के माध्यम से हैदराबाद के सफल एकीकरण में सरदार पटेल की भूमिका का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये?

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

????? ???? ????:

प्रश्न: भारतीय इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2021)

1. हैदराबाद राज्य से आरकोट की नज़ामत का उदय हुआ।
2. वजियनगर साम्राज्य से मैसूर राज्य का उदय हुआ।
3. रुहेलखंड राज्य का गठन, अहमद शाह दुर्रानी द्वारा अधिकृत राज्यक्षेत्र में से हुआ।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये-

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) 2 और 3
- (d) केवल 3

उत्तर: (a)

प्रश्न. वर्ष 1931 में सरदार पटेल की अध्यक्षता में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के कराची अधिवेशन हेतु मौलिक अधिकारों और आर्थिक कार्यक्रम पर संकल्प का मसौदा किसके द्वारा तैयार किया गया? (2010)

- (a) महात्मा गांधी
- (b) पंडित जवाहरलाल नेहरू
- (c) डॉ. राजेंद्र प्रसाद
- (d) डॉ. बी. आर. अंबेडकर

उत्तर: (b)